वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी

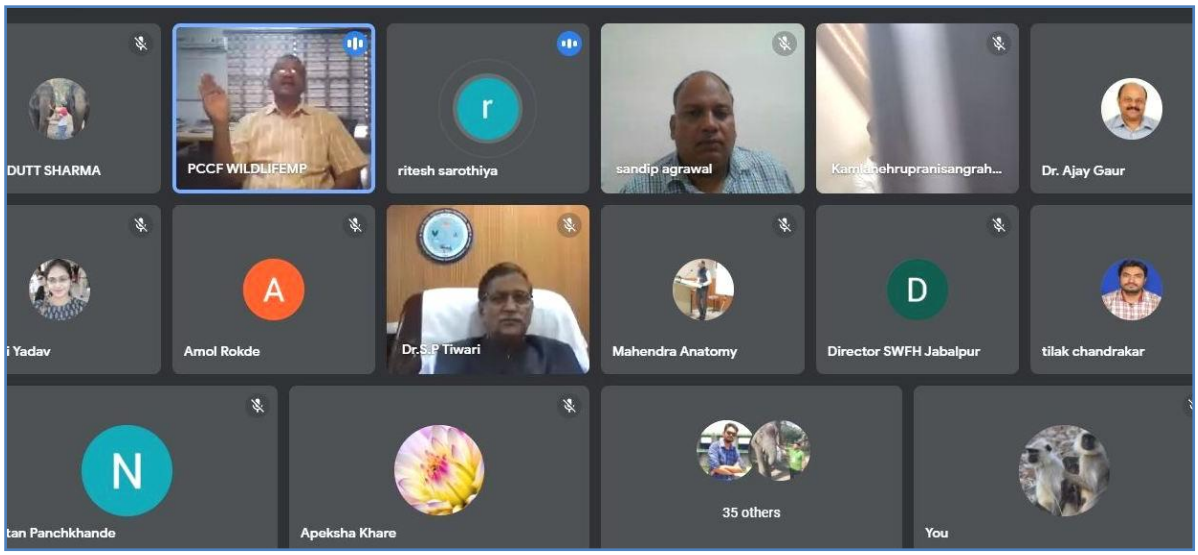

जबलपुर। दिनांक 29.06.2021 दिन मंगलवार को स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के सौजन्य से राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाईन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक के विभिन्न विधाओं तथा उनके उन्नयन और आने वाले अवरोधों के संबंध में इस संगोष्ठी में राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय ख्यातिलब्ध वन्यजीव विशेषज्ञों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति डॉ. (डॉ.) सीता प्रसाद तिवारी के मार्गदर्शन में इस संगोष्ठी में मध्यप्रदेश वन्यजीव संरक्षण के प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री आलोक कुमार (आई.एफ.एस.) मुख्य अतिथि तथा डॉ. अजय गौर, सीनियर प्रिंसिपल साईंटिस्ट तथा प्रभारी वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक, सी. सी.एम.बी, हैदराबाद एवं श्री रितेश सरोठिया प्रभारी अधिकारी म.प्र. टाईगर स्ट्राईक फोर्स तथा एस.टी. एफ. वन्यजीव मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। श्री आलोक कुमार जी ने जहॉ एक ओर अपने उद्बोधन में स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, द्वारा मध्यप्रदेश वन्यजीवी संरक्षण में किये गये कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था देश के उन अग्रणी संस्थाओं में एक है जो वन्यजीव अपराधों को कम करने हेतु अपने भागीरथी प्रयास में सफल रही है। आज वन्यजीव अपराधों की संख्या दिनों दिन कम हो रही है जिसका पूरा श्रेय नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को जाता है। मुख्य वक्ता डॉ. अजय गौर ने जैव प्रौद्योगिकी से संबंधित डी.एन.ए. आधारित तकनीकि में जैविक नमूनों संकलन, परिरक्षण और प्रयोगशालाओं में पहुॅचाने की विधा में वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी की मुख्य भूमिका के संबंध में प्रकाश डाला और अपने उद्बोधन में उन सभी प्रकरणों का उल्लेख किया जो वन अपराध से जुड़ी हुई कड़ियों के विश्लेषण में आवश्यक होते है। वि.वि. के कुलपति जी ने भी स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ द्वारा किए जा रहे अनुसंधान एवं विस्तार से संबंधित क्रियाकलापों की सराहना करते हुए संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त किए और निकट भविष्य में इसे और सुव्यवस्थित बनाने संबंधी हर संभव प्रयास किए जाने की तरफदारी की। साथ ही साथ इस राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी को आयोजित करने वाली टीम क्रमशः डॉ. शोभा जावरे तथा ऑर्गेनाईजिंग सेक्रेटरी, डॉ. निधि राजपूत को सफल आयोजन के लिये धन्यवाद दिया। इस संगोष्ठी में विभिन्न संस्थानों के लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया, संगोष्ठी के समापन में, संचालक, एस.डब्लू.एफ.एच. डॉ. शोभा जावरे द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

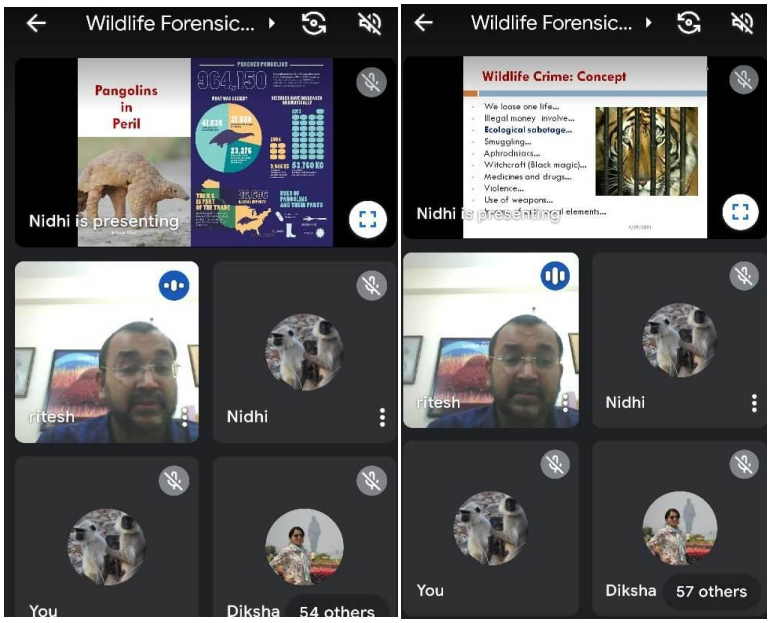

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर